भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 \ अंक - 343 \ बिजौलिया - शनिवार, 27 जून ,2026 \ मूल्य - 1 रुपया \ मो.- 86967 95959 \ पृष्ठ - 4 WWW.BHILWARAFOCUS.COM

राहुल गांधी ने विपक्ष को नई धार दी, उनका दो साल का कार्यकाल ऐतिहासिकः गहलोत

रिफाइनरी परियोजना में देरी पर भाजपा से मांगा जवाब, बोले- पांच साल काम रोकने से 37 हजार करोड़ की परियोजना 80 हजार करोड़ पार पहुंची

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी के दो वर्ष के कार्यकाल को 'ऐतिहासिक और प्रभावशाली' बताते हुए कहा कि उन्होंने संसद से लेकर सड़क तक आम जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाया है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी ने किसानों, मजदूरों, युवाओं और गरीबों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर बुलंद किया है और विपक्ष की भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाया है।

मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा कि संसद में राहुल गांधी की शुरुआती स्पीच ने देश की राजनीति में अलग पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों और कमियों को राहुल गांधी लगातार तथ्यों के साथ उठाते रहे हैं। हाल ही में नीट परीक्षा के मुद्दे पर देशव्यापी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। उनके अनुसार, विपक्ष का दायित्व जनता की भावनाओं और समस्याओं को सत्ता के सामने मजबूती से रखना होता है और राहुल गांधी इस जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित राजस्थान दौरे पर गहलोत ने कहा कि बाड़मेर रिफाइनरी प्रदेश की महत्वपूर्ण परियोजना है और इसका उद्घाटन बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम के साथ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय केंद्र और राज्य सरकार की साझेदारी से इस परियोजना की नींव रखी गई थी, लेकिन भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में पांच वर्षों तक इसका काम रोककर रखा। उन्होंने सवाल उठाया कि इस देरी के कारण परियोजना की लागत करीब 37 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक कैसे पहुंच गई और इसकी जवाबदेही कौन लेगा।

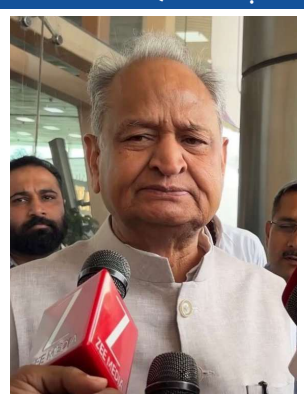

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा द्वारा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर लगाए जा रहे आरोपों पर गहलोत ने कहा कि बिना तथ्यों के किसी पर आरोप लगाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि किसी के पास प्रमाण हैं तो उन्हें सार्वजनिक करना चाहिए। गहलोत ने आरोप लगाया कि डोटासरा को निशाना बनाकर कांग्रेस की छवि खराब करने का राजनीतिक प्रयास किया जा रहा है।

प्रदेश की वर्तमान भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा कि विकास कार्य ठप पड़े हैं और प्रशासनिक व्यवस्थाएं कमजोर हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि अस्पतालों में भवन तो तैयार हैं, लेकिन डॉक्टर और आवश्यक संसाधनों की कमी बनी हुई है। उनके अनुसार, जनता सरकार के कामकाज से निराश है।

दिल्ली स्थित 10 जनपथ पर हुई अपनी हालिया मुलाकात को लेकर उठ रही राजनीतिक चर्चाओं पर गहलोत ने कहा कि यह किसी संगठनात्मक या राजनीतिक रणनीति से जुड़ी बैठक नहीं थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह 'राजीव गांधी नेशनल रिलीफ एंड वेलफेयर सोसाइटी' के ट्रस्ट की नियमित बैठक थी, जिसमें ट्रस्टियों के रूप में शामिल होना उनका संस्थागत दायित्व था। इसलिए इसे राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए।

प्री-मानसून की पहली झड़ी से तर-बतर हुआ बिजोलिया

एक घंटे की झमाझम बारिश से गर्मी से मिली राहत, खेतों में लौटी रौनक, जलाशयों में शुरू हुई पानी की आवक

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

नरेश धाकड़। कई दिनों की भीषण गर्मी और उमस के बाद शुक्रवार को झमाझम बारिश हुई । दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली, आसमान पर घने काले बादल छा गए और मूसलाधार बारिश ने करीब एक घंटे तक पूरे क्षेत्र को भिगो दिया। बारिश से जहां लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली, वहीं किसानों के चेहरों पर भी उम्मीदों की मुस्कान लौट आई। बारिश इतनी तेज रही कि कुछ ही देर में नगर की प्रमुख सड़कें और निचले इलाके पानी से लबालब हो गए। गलियों में बरसाती पानी तेज बहाव के साथ दौड़ता नजर आया। वहीं आसपास के तालाबों और जलाशयों में भी पानी की आवक शुरू होने से क्षेत्रवासियों में अच्छे मानसून की उम्मीद और प्रबल हो गई।अचानक बदले मौसम का सबसे अधिक आनंद बच्चों ने उठाया। बारिश शुरू होते ही बच्चे घरों से बाहर निकल आए और सड़कों पर जमा पानी में खेलते हुए बारिश का भरपूर लुत्फ उठाते नजर आए। सुहावने मौसम के बीच लोगों ने भी राहत की सांस ली और लंबे समय बाद मौसम खुशनुमा हो गया।

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यह बारिश खरीफ फसलों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। खेतों में पर्याप्त नमी आने से मक्का, कपास, सोयाबीन सहित अन्य खरीफ फसलों की बुवाई के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं।

तबादला बैन हटते ही मंत्रियों के आवास बने 'ट्रांसफर दरबार', छुट्टी के दिन भी उमड़ी कर्मचारियों की भीड़

शिक्षा मंत्री के आवास पर सबसे अधिक पहुंचीं अर्जियां, दिव्यांग, विधवा, एकल महिला और गंभीर बीमार कर्मचारियों को मिलेगी प्राथमिकता

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के तबादलों पर लगी रोक हटने के साथ ही राजधानी में तबादलों की हलचल तेज हो गई है। मंत्रियों के सरकारी आवास और सचिवालय इन दिनों कर्मचारियों और उनके परिजनों से गुलजार हैं। मुहर्रम की सरकारी छुट्टी होने के बावजूद शुक्रवार को सुबह से दोपहर तक बड़ी संख्या में कर्मचारी तबादले की उम्मीद लेकर मंत्रियों के दरवाजे पहुंचे। कई स्थानों पर लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं, जहां कर्मचारी अपनी अर्जियां सौंपने और जनप्रतिनिधियों से व्यक्तिगत मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताने में जुटे रहे।

सुबह करीब 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक मंत्रियों के सरकारी आवासों पर तबादला चाहने वाले कर्मचारियों की भीड़ लगी रही। सबसे अधिक भीड़ शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के आवास पर देखने को मिली, जहां प्रदेशभर से आए कर्मचारी अपनी-अपनी अर्जियां लेकर पहुंचे। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत सहित अन्य मंत्रियों के यहां भी दिनभर तबादलों को लेकर लोगों की आवाजाही बनी रही।

मंत्रियों ने कर्मचारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर विचार करने का भरोसा दिलाया। कई कर्मचारियों ने वर्षों से गृह जिले से दूर कार्यरत होने, पारिवारिक परिस्थितियों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हवाला देते हुए अपने तबादले की मांग रखी।

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि लंबे समय से कर्मचारियों की ओर से तबादलों पर लगी रोक हटाने की मांग की जा रही थी। सरकार ने कर्मचारियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि दिव्यांग, एकल महिला, विधवा, परित्यक्ता तथा लंबे समय से अपने गृह क्षेत्र से दूर कार्यरत कर्मचारियों के मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी।

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि उनके अधीन आने वाले चारों विभागों के कर्मचारी बड़ी संख्या में आवेदन लेकर पहुंच रहे हैं। सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर निर्णय लिया जाएगा। अन्य विभागों के कर्मचारियों की अर्जियां भी संबंधित मंत्रियों तक भेजी जा रही हैं, ताकि उन्हें भी यथासंभव उचित स्थान पर पदस्थापन मिल सके।

प्रदेश सरकार ने करीब एक सप्ताह पहले सरकारी कर्मचारियों के तबादलों पर लगी रोक को अस्थायी रूप से हटाया था। सरकार ने 5 जुलाई तक के लिए ट्रांसफर-पोस्टिंग की अनुमति दी है। कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए 16 दिनों के लिए यह राहत दी गई है।

सरकार के निर्देशानुसार इस प्रक्रिया में एकल महिला, विधवा, परित्यक्ता, दिव्यांग तथा कैंसर, हृदय, किडनी, फेफड़े और गंभीर मस्तिष्क संबंधी बीमारियों से पीड़ित कर्मचारियों को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। यह व्यवस्था राज्य सरकार के विभागों के साथ-साथ निगमों, बोर्डों और स्वायत्तशासी संस्थाओं पर भी लागू होगी। हालांकि, थर्ड ग्रेड शिक्षकों तथा चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों के तबादलों पर फिलहाल रोक बरकरार रखी गई है।

निमंत्रण देने गई विधवा पर जानलेवा हमला, लाठी से मारपीट में हाथ फ्रैक्चर, मामला दर्ज

भीलवाड़ा फोकस @ शक्करगढ़।

थाना क्षेत्र के बहादुरपुरा गांव में एक विधवा महिला पर कथित रूप से जातिसूचक गालियां देते हुए लाठी से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि उसके दाहिने हाथ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता द्वारा पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि 25 जून को गांव में आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम का निमंत्रण देने निकली थीं। आरोप है कि राजपूत मोहल्ले में पहुंचने पर आरोपी कल्याण सिंह राजपूत ने उनका रास्ता रोक लिया और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अभद्रता शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने कथित रूप से लाठी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।पीड़िता ने बताया कि हमले से बचने के प्रयास में उसके दोनों हाथों पर गंभीर चोटें आईं तथा दाहिने हाथ की

हड्डी में फ्रैक्चर (क्रैक) हो गया। मारपीट के दौरान पीठ और पसलियों पर भी चोटें लगीं। आरोप है कि हमला करने के बाद आरोपी ने महिला पर पत्थर भी फेंके, जिससे वह किसी तरह जान बचाकर अपने घर पहुंची।

घटना के बाद परिजनों ने घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट के बाद पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है । मामले की जांच जहाजपुर वृताधिकारी कर रहे है ।

लाखोला क्षेत्र में फिर दिखा पैंथर, दो युवकों पर किया हमला

खेत में काम कर रहे युवकों ने भागकर बचाई जान, वन विभाग ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर।

दिनेश। क्षेत्र के लाखोला चौराहा में एक बार फिर पैंथर की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष चमन सोनी के खेत में काम कर रहे दो युवकों पर पैंथर ने अचानक हमला कर दिया। हालांकि दोनों युवक सतर्कता दिखाते हुए किसी तरह जान बचाने में सफल रहे।

जानकारी के अनुसार रतनलाल भील और भग्गू भील खेत में कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान झाड़ियों से निकले पैंथर ने उन पर हमला कर दिया। दोनों

युवकों ने शोर मचाते हुए भागकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। रेंजर गीता शर्मा एवं वनपाल नारायण सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र में सघन सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। वन विभाग ने पैंथर की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए गश्त बढ़ा दी है तथा उसे पकड़ने के लिए जल्द ही पिंजरा लगाने की तैयारी की जा रही है।

वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा है कि शाम और रात के समय खेतों या जंगल से सटे क्षेत्रों में अकेले जाने से बचें। साथ ही बच्चों पर विशेष निगरानी रखें और पैंथर दिखाई देने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दें।

'भीलवाड़ा फोकस'

अपने शहर और गाँव के समाचार, सूचनाएँ, सार्वजनिक घोषणाएँ या विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।

Mo.– 8696795959

Bhilwarafocus@gmail.com

BHILWARA focus

भीलवाड़ा की बात,फोकस के साथ

चलते ट्रक का टायर उखड़कर दूसरी लेन में पहुंचा, वैन पलटी; रेलिंग में फंसने से यात्री की दर्दनाक मौत

शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था परिवार, हाईवे पर पलभर में मातम में बदली खुशियां

भीलवाड़ा फोकस @ कोटा।

गर्वित । कोटा-बारां राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर गुरुवार देर रात एक भयावह सड़क हादसे में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे परिवार की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। तेज रफ्तार ट्रक का टायर अचानक निकलकर डिवाइडर पार करते हुए दूसरी लेन में आ गया और सामने से आ रही वैन से टकरा गया। टक्कर के बाद वैन अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे लगी लोहे की रेलिंग से टकराकर पलट गई। हादसे में वैन में आगे बैठे एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गए।

हादसा गुरुवार रात करीब 11:30 बजे कोटा-बारां एनएच-27 पर पोलाई कलां स्थित गत्ता फैक्ट्री के पास हुआ। सूचना मिलते ही सिमलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के जालौन जिले निवासी 50 वर्षीय पप्पू हरचरण कुशवाहा के रूप में हुई है। पप्पू गुजरात के मेहसाणा में पानी-पुरी का व्यवसाय करते थे। वह अपनी पत्नी, मां और बेटे के साथ गुजरात से अपने पैतृक गांव जालौन जा रहे थे, जहां 28 जून को उनकी मौसी की बेटी का विवाह होना था।

परिजनों ने बताया कि गुरुवार दोपहर पूरा परिवार वैन से गुजरात से रवाना हुआ था। वाहन पप्पू का बेटा मनीष चला रहा था और गाड़ी में दो महिलाएं भी सवार थीं। जब उनकी वैन पोलाई कलां के पास पहुंची, तभी बारां की ओर से आ रहे ट्रक का एक टायर अचानक निकलकर डिवाइडर पार करते हुए उनकी लेन में आ गया और वैन से जा टकराया। टायर की जोरदार टक्कर से वैन का संतुलन बिगड़ गया और वह हाईवे किनारे लगी लोहे की सुरक्षा रेलिंग से टकराकर पलट गई। हादसे के दौरान आगे की सीट पर बैठे पप्पू की गर्दन रेलिंग और वैन के बीच बुरी तरह फंस गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने तत्काल पुलिस व एम्बुलेंस को सूचना दी।

सिमलिया थाना पुलिस के एएसआई शिवराज ने बताया कि मृतक के बेटे मनीष की रिपोर्ट पर ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है।

ग्राम विकास शिविर में विधायक ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश, बोले हर पात्र तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

क्षेत्र के राणा जी का गुड्डा गांव में आयोजित ग्राम विकास शिविर में मांडलगढ़ विधायक गोपाललाल खंडेलवाल ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए तथा कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचना चाहिए।

विधायक शर्मा ने कहा कि केंद्र एवं राजस्थान सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने अधिकारियों से शिविर में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र कुमार बंजारा, शिविर प्रभारी एवं विकास अधिकारी अशेष शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष दयाशंकर जोशी, पूर्व सरपंच गोपाल बैरागी, छितर मीणा, शिवनारायण भट्ट, रामरतन भट्ट, धनजी भट्ट, मुरली बंजारा सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जर्जर पत्थर की पुलिया बनी जानलेवा, बड़े हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन!

अस्पताल, जागेश्वर महादेव मंदिर और केसरगंज का प्रमुख मार्ग बदहाल, बारिश में ओवरफ्लो होने से हर दिन जोखिम उठाने को मजबूर लोग

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

कस्बे की पलकी नदी पर बनी वर्षों पुरानी पत्थरों की पुलिया अब लोगों के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। नगर को केसरगंज कॉलोनी, फोरलेन बाइपास और आसपास के गांवों से जोड़ने वाली यह प्रमुख पुलिया लंबे समय से जर्जर अवस्था में है। बरसात शुरू होते ही पुलिया की बदहाली और भी खतरनाक हो जाती है, लेकिन जिम्मेदार विभाग और प्रशासन अब तक स्थायी समाधान नहीं कर पाया है।

पूरी तरह पत्थरों से निर्मित यह पुलिया समय के साथ कमजोर पड़ चुकी है। पुलिया के कई हिस्सों से पत्थर उखड़ गए हैं, जिससे बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। बारिश के दौरान नदी का पानी पुलिया के ऊपर से बहने लगता है और गड्ढे पानी में छिप जाते हैं। ऐसे में दोपहिया, चारपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ पैदल राहगीरों के लिए भी हर सफर जोखिम भरा बन जाता है।

यह मार्ग केवल केसरगंज कॉलोनी को नगर से जोड़ने का रास्ता ही नहीं, बल्कि कस्बे के राजकीय अस्पताल पहुंचने का सबसे नजदीकी मार्ग भी है। इसके अलावा प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु जागेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन के लिए भी इसी पुलिया से होकर गुजरते हैं। इसके बावजूद वर्षों से पुलिया की मरम्मत और पुनर्निर्माण को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षतिग्रस्त हिस्सों पर समय-समय पर केवल अस्थायी मरम्मत कर खानापूर्ति की जाती रही है, लेकिन कुछ ही दिनों में पुलिया फिर अपनी बदहाल स्थिति में पहुंच जाती है। बरसात के दिनों में पुलिया पर पानी का तेज बहाव लोगों की चिंता और बढ़ा देता है।

करीब दस वर्ष पूर्व इसी पुलिया पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया था। बारिश के दौरान एक निजी विद्यालय की बस पुलिया से फिसलकर नदी में उतर गई थी। उस समय बस में 50 से अधिक स्कूली बच्चे सवार थे। नगरवासियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई। इसके बावजूद आज तक पुलिया के स्थायी समाधान की दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया।

कस्बावासी ओमप्रकाश माली ने बताया कि पुलिया की हालत कई वर्षों से खराब बनी हुई है और यहां आए दिन छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं। कई बार शिकायतें करने के बावजूद जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। स्थानीय नागरिकों और ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बरसात के मौसम को देखते हुए पुलिया की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचने के लिए नई एवं मजबूत पुलिया का निर्माण जल्द कराया जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

गंगापुर में निकला ताजिया, अखाड़ों के हैरतअंगेज करतब बने आकर्षण

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर।

दिनेश । पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की शहादत की याद में नगर में मोहर्रम का ताजिया श्रद्धा, अकीदत और पारंपरिक उत्साह के साथ निकाला गया। सुबह मस्जिद चौक से शुरू हुआ ताजिया जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मस्जिद चौक पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने दर्शन कर अमन-चैन की दुआ मांगी।

जुलूस के दौरान ढोल-ताशों की गूंज के बीच अखाड़ों के युवाओं ने लाठी, तलवार एवं अन्य पारंपरिक युद्धक कलाओं का प्रदर्शन किया। हैरतअंगेज करतबों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और पूरे मार्ग पर दर्शकों की भीड़ उमड़ी रही।

देर रात ताजिए को कर्बला ले जाया गया, जहां धार्मिक परंपरा के अनुसार ताजिया 'ठंडा' करने की रस्म अदा की गई। पूरे आयोजन के दौरान भाईचारा और सौहार्द का वातावरण बना रहा तथा सुरक्षा व्यवस्था के लिए प्रशासन और पुलिस भी मुस्तैद रही।

इस अवसर पर सलीम अंसारी सहित कई गणमान्य नागरिकों का साफा बंधवाकर सम्मान किया गया।

आकोला में अकीदत के साथ निकला ताजिया जुलूस

अखाड़ों के पारंपरिक प्रदर्शन रहे आकर्षण, पुलिस अधिकारियों का किया सम्मान

भीलवाड़ा फोकस @ आकोला।

जसवंत पारीक

कस्बे में शुक्रवार को मुस्लिम समाज की ओर से मोहर्रम के अवसर पर ताजिया जुलूस श्रद्धा और अकीदत के साथ निकाला गया। सुबह मस्जिद से शुरू हुआ जुलूस कस्बे के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए शाम को बस स्टैंड पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने ताजिए के दर्शन किए।

जुलूस के दौरान मातमी धुनों के बीच युवाओं ने अखाड़ों में पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए मार्गभर लोगों की भीड़ उमड़ी रही। पूरे आयोजन के दौरान भाईचारे और सौहार्द का वातावरण बना रहा।

बस स्टैंड पर मुस्लिम समाज की ओर से बड़लियास थाना प्रभारी जसवंत सिंह, सवाईपुर चौकी प्रभारी प्यारचंद, बीट प्रभारी बाबूलाल मीणा सहित अन्य पुलिसकर्मियों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत और सम्मान किया गया। इसके बाद धार्मिक परंपरा के अनुसार ताजिए को कर्बला ले जाकर 'ठंडा' करने की रस्म अदा की गई। इससे पूर्व गुरुवार रात मुस्लिम समाज ने कत्ल की रात मनाई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। मातमी धुनों के बीच अखाड़ों के पारंपरिक प्रदर्शन किए गए और इमाम हुसैन की शहादत को श्रद्धापूर्वक याद किया गया।

दो घरों में चोरी की वारदात, नगदी सहित लाखों के जेवरात पर हाथ साफ

रातभर बरामदे व छत पर सोते रहे परिवार, सुबह खुली नींद तो बिखरा मिला सामान; पुलिस ने शुरू की जांच

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव)। क्षेत्र के अड़सीपुरा गांव में गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने दो मकानों को निशाना बनाकर नगदी सहित लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। वारदात के दौरान दोनों परिवार घर पर ही मौजूद थे, लेकिन चोरों की भनक तक नहीं लगी। शुक्रवार सुबह घटना का पता चलने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर बड़लियास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी।

पीड़ित दुर्गालाल पुत्र छगनलाल सेन ने बताया कि गुरुवार रात अज्ञात चोर बाथरूम की दीवार फांदकर उसके घर में घुस गए। चोर कमरे में रखा लोहे का बक्सा उठाकर पास स्थित विद्यालय परिसर में ले गए, जहां ताला तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर फरार हो गए। चोरी गए सामान में करीब दो तोला सोने की रामनामी-मादलिया व नथ, 520 ग्राम वजनी दो जोड़ी चांदी की पायजेब तथा 45 हजार रुपये नकद शामिल हैं। वारदात के समय परिवार के सदस्य बरामदे में सो रहे थे, लेकिन किसी को चोरी की भनक तक नहीं लगी।

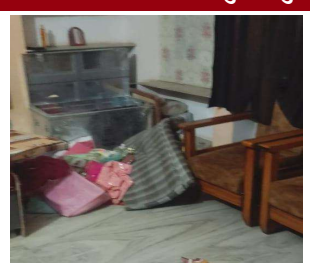

इसी रात चोरों ने गांव निवासी दर्शन सिंह पुत्र भवानी सिंह पुरावत के मकान को भी निशाना बनाया। चोर छत के रास्ते घर में घुसे और मकान का ताला तोड़कर करीब 3,500 रुपये नकद, श्रृंगार सामग्री एवं अन्य घरेलू सामान चोरी कर ले गए। घटना के समय परिवार के सदस्य मकान की छत पर सो रहे थे। सुबह उठने पर घर का सामान बिखरा देखकर चोरी का पता चला।

घटना की सूचना मिलते ही बड़लियास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घटनास्थलों का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आसपास के साक्ष्य जुटाते हुए जांच शुरू कर दी है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

सावर में मातमी धुनों के बीच निकला मोहर्रम का जुलूस, तालाब में ताजियों को किया गया सेराब

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

दिलखुश

कस्बे में मोहर्रम का पर्व शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय द्वारा श्रद्धा, आस्था और गमगीन माहौल में मनाया गया। मुस्लिम समाज की मोहर्रम कमेटी के सानिध्य में मातमी धुनों और ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच ताजियों का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया।

मोहर्रम का जुलूस सब्जी मंडी स्थित मस्जिद से प्रारंभ होकर नई आबादी क्षेत्र के मदरसे से होता हुआ बस स्टैंड पहुंचा। बस स्टैंड पर युवाओं ने हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को रोमांचित कर दिया।

इस दौरान पटवार भवन के सामने जुलूस को कुछ समय के लिए रोका गया, जहां मुस्लिम समाज के लोगों ने मस्जिद में जाकर जुम्मे की नमाज अदा की। नमाज के बाद जुलूस शाहपुर गेट, गोल हथाई होते हुए इलाहजी के चौक पहुंचा, जहां युवाओं ने एक बार फिर पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन किया।

जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस थाना सावर के एएसआई राजेंद्र चौधरी एवं किशनलाल चौधरी के नेतृत्व में पुलिस जाब्ता पूरे मार्ग पर तैनात रहा। इसके बाद जुलूस इलाहजी के चौक से सदर बाजार और तृप्त बाजार होते हुए सावर राजघराना के गढ़ परिसर पहुंचा। यहां पूर्व प्रधान भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में राजपरिवार ने मुस्लिम समाज के पदाधिकारियों का दास्तारबंदी कर स्वागत एवं सम्मान किया।

देर शाम मोहर्रम का जुलूस तालाब की पाल पर पहुंचा, जहां शोकपूर्ण वातावरण और मातमी धुनों के बीच धार्मिक परंपरा के अनुसार ताजियों को तालाब में सेराब (विसर्जित) किया गया। पूरे आयोजन के दौरान कस्बे में शांति एवं सौहार्द का वातावरण बना रहा।

अग्निवीर के 6 माह की ट्रेनिंग पूरी कर गांव लौटने पर राहुल सैन का स्वागत

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर ।

(सांवर वैष्णव):- क्षेत्र के उदलियास गांव से सेन समाज के मोहन सेन के पुत्र राहुल सेन का भारतीय सेना अग्नि वीर में भर्ती होने पर उनके स्वागत समारोह में सम्मिलित हुआ, इस अवसर पर त्रिवेणी धाम सेन समाज मंदिर कमेटी अध्यक्ष साहब कैलाश सेन, बड़लियास युवा अध्यक्ष विष्णु कुमार सेन रेणवास, कोषाध्यक्ष नन्द लाल सेन माड़लगढ़, सचिव धना लाल सेन गेगाकाखेड़ा, प्रहलाद सेन रेड़वास, बालु सेन दातडा, नारायणी सैना के सस्था सयोजक सावर सेन भीलवाड़ा, भैरुलाल सेन ककरोलिया घाटी ओर त्रिवेणी धाम मंदिर कमेटी के सदस्यों की ओर साफा व माला पहना कर स्वागत किया और साथ हार्दिक मंगलकामनाएं प्रेषित करी आभार भारत सरकार जिन्होंने अग्निवीर जैसी नौकरी से गरीब बच्चों को संबल दिया ।।

QUICK BITES

भीलवाड़ा में वातानुकूलित 'बरसती मल्टी क्यूजीन रेस्टोरेंट' का भव्य शुभारंभ

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

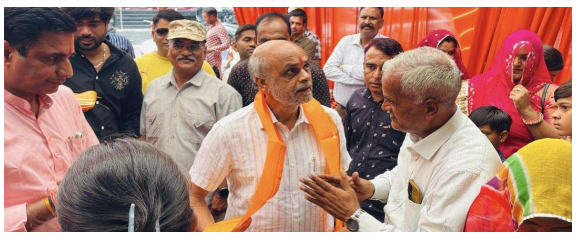

शहर के नागोरी गार्डन स्थित सिटी कोतवाली रोड पर नवस्थापित वातानुकूलित 'बरसती मल्टी क्यूजीन रेस्टोरेंट' का भव्य शुभारंभ भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी के मुख्य आतिथ्य एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर विधायक अशोक कुमार कोठारी ने रेस्टोरेंट संचालक एवं उनके परिवार को नवीन प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए व्यवसाय की निरंतर उन्नति और सफलता की कामना की।

भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने भी रेस्टोरेंट परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रतिष्ठान गुणवत्तापूर्ण एवं शुद्ध शाकाहारी भोजन के माध्यम से शहरवासियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करेगा तथा उत्तरोत्तर प्रगति करेगा।

रेस्टोरेंट संचालक रविंद्र सिंह लूणावत ने विधायक अशोक कुमार कोठारी एवं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा सहित सभी अतिथियों एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि रेस्टोरेंट में ग्राहकों के लिए विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट एवं शुद्ध शाकाहारी मल्टी क्यूजीन व्यंजन उपलब्ध रहेंगे। कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्री धाकड़ महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

बिजौलिया के राजेश धाकड़ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं रामफूल धाकड़ राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया

नरेश धाकड़

राजेश धाकड़

रामफूल धाकड़

श्री धाकड़ महासभा (भारतवर्ष) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र नागर द्वारा बिजौलिया निवासी राजेश धाकड़ को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा रामफूल धाकड़ को राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त किया गया है। नियुक्ति पत्र जारी होने के बाद धाकड़ समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई तथा समाजजनों ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

नवनियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश धाकड़ ने कहा कि संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से निर्वहन करते हुए समाज के संगठनात्मक विस्तार, शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और सामाजिक एकता को मजबूती प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

राष्ट्रीय मंत्री रामफूल धाकड़ ने कहा कि वे समाजहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में संगठन को मजबूत बनाने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे।

दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों ने इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र नागर, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर कन्हैयालाल धाकड़ तथा महिला इकाई की प्रदेश अध्यक्ष दीपशिखा धाकड़ सहित समस्त राष्ट्रीय नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा उन पर जताए गए विश्वास पर वे पूरी तरह खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे और समाज की एकता, प्रगति एवं विकास के लिए सदैव समर्पित रहेंगे।

इस अवसर पर धाकड़ समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजजनों ने दोनों पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में समाज संगठन को नई ऊर्जा और नई दिशा प्राप्त होगी।

आदर्श विद्या मंदिर घटियाली में नवीन शिशु वाटिका का वैदिक रीति-रिवाजों से हुआ शुभारंभ

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

दिलखुश

विद्या भारती संस्थान अजमेर एवं आदर्श विद्या मंदिर उच्च प्राथमिक विद्यालय सावर द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर घटियाली में नवीन शिशु वाटिका का भव्य शुभारंभ वैदिक रीति-रिवाजों एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 राष्ट्रीय संत श्री हरिदास जी महाराज (महंत, नरसिंह मंदिर मेहरुकलां) रहे। विशिष्ट अतिथि सावर मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह शक्तावत तथा मुख्य वक्ता विद्या भारती संस्थान अजमेर के जिला सचिव संजय शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक शांतिलाल चाष्टा ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मुख्य द्वार पर रिबन काटकर किया गया। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना एवं हवन का आयोजन हुआ। सावर के प्रसिद्ध पुरोहित राजेंद्र त्रिवेदी ने वैदिक विधि से हवन संपन्न कराया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य बनवारी लाल सोनी ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराया। विद्यालय के कोषाध्यक्ष अभिषेक मित्तल ने नवीन शिशु वाटिका की स्थापना के उद्देश्य एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व छात्र अयन शर्मा के तृतीय श्रेणी अध्यापक पद पर चयन होने पर अतिथियों द्वारा उनका सम्मान किया गया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। मुख्य वक्ता संजय शर्मा ने अपने उद्बोधन में विद्या भारती की संस्कारयुक्त शिक्षा पद्धति एवं शिशु वाटिका की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रारंभिक शिक्षा ही बालकों के सर्वांगीण विकास की मजबूत आधारशिला होती है। इसी दौरान उन्होंने राजेश मेघवंशी को आदर्श विद्या मंदिर घटियाली (शिशु वाटिका) के प्रभारी प्रधानाचार्य के रूप में विधिवत कार्यभार ग्रहण कराया। कार्यक्रम में राजेंद्र प्रताप सिंह शक्तावत, नरेंद्र राठौड़, नरेंद्र शर्मा, देवलाल सोनी, भंवर भुवालिया, विशाखा शर्मा, प्रेम देवी गुर्जर, शंभूनाथ योगी, हेमराज सोनी, विद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष घनश्याम जांगिड़ सहित अनेक गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आचार्य घीसा नाथ योगी ने किया, जबकि विद्यालय सचिव चंद्रप्रकाश वैष्णव ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

भाजपा की अजमेर संभाग स्तरीय संविधान हत्या दिवस संगोष्ठी आयोजित

भीलवाड़ा के 11 लोकतंत्र सेनानियों का हुआ अभिनंदन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

आपातकाल के काले दौर और संविधान की मूल भावना पर हुए प्रहार को स्मरण करते हुए अजमेर में भाजपा की संभाग स्तरीय संविधान हत्या दिवस संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन राजस्थान प्रदेश प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के सान्निध्य में किया गया।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि अजमेर संभाग के भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक और नागौर जिले संयुक्त संगोष्ठी में जिले से भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के नेतृत्व एवं सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक गोपीचंद मीणा, जब्बर सिंह सांखला, उदयलाल भडाना, लादूलाल पीतलिया, लालाराम बैरवा, गोपाल खंडेलवाल के सान्निध्य में जिला पदाधिकारियों, मोर्चा जिलाध्यक्षों ने सहभागिता निभाई। इस अवसर पर आपातकाल में मीसा बंदी रहे भीलवाड़ा जिले के 11 लोकतंत्र सेनानियों का मंच पर सम्मान भी किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा राजस्थान प्रदेश प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 1975 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाया गया आपातकाल स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे काला अध्याय था। उस दौर में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कुचला गया, विपक्ष को जेलों में डाला गया और प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई। आज भी कांग्रेस के भीतर वही दमनकारी और तानाशाही मानसिकता जीवित है।?उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने के ऐतिहासिक निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह दिवस नई पीढ़ी को लोकतंत्र पर हुए सबसे बड़े हमले की याद दिलाएगा।

समारोह में भीलवाड़ा के सभी जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने लोकतंत्र सेनानियों के त्याग को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास की अमूल्य धरोहर बताते हुए उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे युवाओं को आपातकाल की क्रूर सच्चाई और लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष से अवगत कराएं ताकि भविष्य में कोई संविधान को बंधक बनाने का दुस्साहस न कर सके।

भीलवाड़ा के इन लोकतंत्र सेनानियों का हुआ सम्मान

संगोष्ठी के दौरान अतिथियों ने आपातकाल के दौरान मीसा बंदी रह संघर्ष करने वाले भीलवाड़ा जिले के लोकतंत्र सेनानी सांसद दामोदर अग्रवाल, रजनीकांत जी आचार्य, भगवान राव पाटिल, अशोक पोरवाल, जगदीश चंद्र डाड, हरकलाल सोमानी, लक्ष्मण बंजारा, कैलाशचंद डाड, हरिहर प्रसाद दशोरा, नानक राम सोनी, भेरूलाल गंदोडिया का शॉल ओढ़ाकर, माल्यार्पण कर एवं श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया गया।

शाहपुरा में रोजगारोन्मुखी योजनाएं होंगी मजबूत, विकसित भारत 2047 के विजन पर हुआ मंथन

दिल्ली में कौशल विकास कार्यशाला में शामिल हुए विधायक डा लालाराम बैरवा

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी

विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में कौशल विकास को सबसे बड़ी शक्ति माना जा रहा है। इसी सोच के साथ एनएफपीआरसी फाउंडेशन द्वारा सांसदों एवं विधायकों के लिए आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यशाला में शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने सहभागिता कर युवाओं के भविष्य, कौशल विकास और रोजगार सृजन जैसे अहम मुद्दों पर सक्रिय भागीदारी निभाई। इस कार्यशाला में देश के विकास की आधारशिला माने जा रहे युवा वर्ग को आधुनिक कौशल से लैस करने पर व्यापक चर्चा हुई।

कार्यशाला के दौरान भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुग का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी 'विकसित भारत 2047' विजन को केंद्र में रखते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में भारत को विश्व की अग्रणी आर्थिक शक्ति बनाने के लिए केवल नीतियां पर्याप्त नहीं होंगी, बल्कि एक कुशल, प्रशिक्षित और आत्मनिर्भर युवा शक्ति की आवश्यकता होगी।

उन्होंने जोर देकर कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में उद्योगों की मांग तेजी से बदल रही है। ऐसे में युवाओं को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान करना समय की सबसे बड़ी जरूरत बन गया है। यदि युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाए तो भारत का विकास और अधिक तेज गति से संभव हो सकेगा।

कार्यशाला में आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल दक्षता, स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार और रोजगारपरक प्रशिक्षण जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि भविष्य की अर्थव्यवस्था तकनीक आधारित होगी, इसलिए युवाओं को नई तकनीकों के साथ जोड़ना अनिवार्य है। डिजिटल स्किल्स, उद्यमिता और नवाचार आधारित सोच युवाओं को नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला भी बना सकती है।

इस दौरान यह भी चर्चा हुई कि ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों के युवाओं तक कौशल विकास योजनाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाना बेहद आवश्यक है। देश के अनेक प्रतिभाशाली युवा अवसरों के अभाव में अपनी क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर पाते। ऐसे में स्थानीय स्तर पर स्किल डेवलपमेंट सेंटर, प्रशिक्षण संस्थान और उद्योगों के साथ साझेदारी जैसे प्रयास निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

कार्यशाला में अपने विचार रखते हुए शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने कहा कि यह कार्यशाला उनके लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायी रही। यहां प्राप्त सुझाव, अनुभव और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

उन्होंने कहा कि शाहपुरा क्षेत्र में बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली युवा मौजूद हैं, जिन्हें केवल सही दिशा, प्रशिक्षण और अवसर की आवश्यकता है। यदि इन युवाओं को आधुनिक तकनीक और रोजगारपरक प्रशिक्षण से जोड़ा जाए तो वे न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

डॉ. बैरवा ने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यशाला से प्राप्त नवाचारों और कौशल विकास से जुड़े विचारों को अपने विधानसभा क्षेत्र में प्रभावी रूप से लागू करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास, उद्यमिता और नेतृत्व क्षमता विकसित करना भी है।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में युवा सशक्तिकरण केवल रोजगार तक सीमित नहीं है। उन्हें तकनीकी रूप से दक्ष, नवाचारी और आत्मनिर्भर बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब देश का युवा वर्ग मजबूत, प्रशिक्षित और अवसरों से संपन्न होगा।

शाहपुरा विधायक ने यह भी कहा कि वे अपने क्षेत्र में कौशल विकास, रोजगार सृजन और युवा सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर कार्यरत रहेंगे। उनकी प्राथमिकता रहेगी कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और प्रत्येक युवा को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले।

यह कार्यशाला केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं रही, बल्कि जनप्रतिनिधियों के लिए एक ऐसा रोडमैप लेकर आई, जो स्थानीय स्तर पर विकास की नई संभावनाओं को जन्म दे सकता है। स्पष्ट है कि यदि कौशल विकास और तकनीकी प्रशिक्षण पर गंभीरता से कार्य हुआ तो विकसित भारत 2047 का संकल्प केवल सपना नहीं, बल्कि साकार होती वास्तविकता बन सकता है।

शाहपुरा में दो ताजिए निकले, गूंजा 'या हुसैन', बालाजी छतरी पर उमड़ा जनसैलाब

24वें स्थापना दिवस पर उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था, हवन-पूजन और महाप्रसादी में जुटी भक्तों की भीड़

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

मूलचन्द पेसवानी

त्याग, बलिदान, सब्र और इंसानियत का पैगाम देने वाले मोहर्रम पर्व पर शुक्रवार को शाहपुरा शहर अकीदत, गम और भाईचारे के रंग में रंगा नजर आया। 'या हुसैन या हुसैन' की गूंज, मातमी नगारों की थाप और हजारों लोगों की मौजूदगी के बीच शहर में दो प्रमुख ताजिए निकाले गए। एक ताजिया देशवाली समाज का था, जबकि दूसरा कायमखानी समाज का। दोनों ताजियों के जुलूस ने पूरे शहर में धार्मिक आस्था के साथ सांप्रदायिक सौहार्द का अनुपम संदेश दिया।

सुबह से ही शहर के मुस्लिम बहुल इलाकों सहित प्रमुख मार्गों पर मोहर्रम को लेकर विशेष रौनक दिखाई दी। युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों में अलग ही उत्साह था। जगह-जगह छबील, शरबत और ठंडे पेय की व्यवस्था की गई, जहां सभी धर्मों के लोगों ने सेवा भाव से सहभागिता निभाई। शाहपुरा की यही गंगा-जमुनी तहजीब इस आयोजन को विशेष बनाती है।

दोपहर बाद देशवाली समाज का ताजिया मोहर्रम के चबूतरे से रवाना हुआ। जैसे ही ताजिया आगे बढ़ा, मातमी धुनों के साथ युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। जुलूस निर्धारित मार्गों से गुजरता हुआ बालाजी की छतरी पहुंचा। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहले से मौजूद थे। बालाजी की छतरी पर पहुंचते ही माहौल पूरी तरह भावुक और ऊर्जावान हो उठा। युवाओं ने पारंपरिक हाईदोश खेलते हुए शानदार अखाड़ा प्रदर्शन किया। लाठी, तलवार और करतबों के दमदार प्रदर्शन ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दर्शकों ने तालियों और नारों के साथ युवाओं का उत्साह बढ़ाया। इसी दौरान कायमखानी समाज का ताजिया भी दिलकुशाल बाग से रवाना हुआ। मातमी नगाड़ों की गूंज और 'या अली, या हुसैन' की सदाओं के बीच जुलूस आगे बढ़ता गया। रास्ते भर लोग ताजिये के दीदार के लिए उमड़ पड़े। कायमखानी समाज का ताजिया भी बालाजी की छतरी पहुंचा, जहां दोनों ताजियों का भावपूर्ण मिलन हुआ। यह दृश्य पूरे आयोजन का सबसे आकर्षक और भावुक क्षण माना गया। बालाजी की छतरी पर दोनों ताजियों के मिलन के दौरान युवाओं का उत्साह चरम पर था। पारंपरिक अखाड़ा प्रदर्शन, हाईदोश और मातमी खेलों ने वातावरण को ऊर्जा से भर दिया। इस दौरान शाहपुरा राजपरिवार के शाही महलों के चैक से भी ताजिया निकाला गया, जिसने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। बड़ी संख्या में युवा इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। जुलूस मार्ग पर जगह-जगह संगठनों, स्थानीय नागरिकों और मुस्लिम समाज द्वारा छबील, शरबत तथा ठंडे पेय का वितरण किया गया। तेज गर्मी के बीच यह सेवा कार्य लोगों के लिए राहत का कारण बना। बालाजी की छतरी पर भी विशेष रूप से ठंडे पेय और जल सेवा की व्यवस्था की गई। हर तरफ सेवा, समर्पण और इंसानियत की झलक साफ दिखाई दे रही थी।

शाम ढलते-ढलते दोनों ताजिए कर्बला शरीफ की ओर रवाना हुए। देशवाली समाज का ताजिया कर्बला शरीफ पहुंचने के बाद सुल्तान शाह की बावड़ी में ठंडा किया गया। वहीं कायमखानी समाज का ताजिया कुंड गेट स्थित बावड़ी में ठंडा किया गया। ताजियों के ठंडे होने के साथ ही मोहर्रम की रस्में संपन्न हुईं और माहौल गमगीन हो उठा।

पूरे आयोजन के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। जुलूस मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। नगर पालिका द्वारा सफाई, प्रकाश और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। प्रशासन की सतर्कता के चलते पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।शाहपुरा में निकले मोहर्रम के ताजियों ने एक बार फिर यह संदेश बुलंद किया 'हुसैनियत केवल इतिहास नहीं, बल्कि इंसानियत की जीवित चेतना है।' और इसी संदेश के साथ शाहपुरा ने एक बार फिर भाईचारे, प्रेम और सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल कायम कर दी।

आरएनए के प्रयास रंग लाए, मेडिकल कॉलेज के 48 कर्मियों को मिला बकाया वेतन

प्राचार्य के निर्देश पर खातों में ट्रांसफर हुई वेतन राशि, कर्मचारियों ने जताया आभार

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन (आरएनए) के प्रयासों से आरवीआरएस मेडिकल कॉलेज के 48 प्रभावित कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से लंबित वेतन भुगतान का मामला गुरुवार को सुलझ गया और कर्मचारियों के खातों में एक माह का बकाया वेतन जमा कर दिया गया।

आरएनए के जिलाध्यक्ष नारायणलाल माली के नेतृत्व में कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. पूजा गंगराड़े से मुलाकात कर प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से हटाए गए कर्मचारियों के बकाया वेतन, भविष्य निधि (पीएफ) एवं कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राचार्य ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। आदेश जारी होने के बाद सभी 48 कर्मचारियों के बैंक खातों में एक माह का बकाया वेतन ट्रांसफर कर दिया गया, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक राहत मिली।

नारायणलाल माली ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व में सेवा से विलोपित 83 नर्सिंगकर्मियों को पुनः समायोजित करने की मांग भी प्राचार्य के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए आरएनए आगे भी संघर्ष जारी रखेगा।

वेतन मिलने पर कर्मचारी राजकुमार प्रजापत ने राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन एवं मेडिकल कॉलेज प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आर्थिक तंगी के दौर में बकाया वेतन मिलने से कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है।

इस दौरान देवंती रेगर, श्रवण शर्मा, भरत शर्मा, अरविंद टेलर, रोशन माली सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेज़िडेंट डॉक्टरों से रूबरू हुईं प्राचार्या, समस्याओं के त्वरित समाधान का दिया भरोसा

पदभार संभालने के दो दिन बाद BARD के साथ बैठक, वेतन, हॉस्टल, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स व मूलभूत सुविधाओं पर हुई चर्चा

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

मेडिकल कॉलेज की नव नियुक्त प्राचार्या डॉ. पूजा गंगराड़े ने पदभार ग्रहण करने के महज दो दिन बाद ही रेजिडेंट डॉक्टरों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए भीलवाड़ा एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (क्रन्ष्ठ) के साथ विस्तृत बैठक की। बैठक में उन्होंने जूनियर एवं सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया।

बैठक में पिछले चार माह से लंबित वेतन भुगतान का मुद्दा प्रमुखता से उठा। डॉ. गंगराड़े ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा लागू ढ्डस्नरूस्न 3.0 प्रणाली में रेजिडेंट डॉक्टरों का वेतन स्लैब अभी अपडेट नहीं होने के कारण प्रदेश के किसी भी RajMES मेडिकल कॉलेज में वेतन जारी नहीं हो पा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जयपुर स्तर पर सॉफ्टवेयर अपडेट होते ही वेतन भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी।

बैठक में मेडिकल कॉलेज परिसर के पास स्थित डंपिंग यार्ड, हॉस्टल की सीवरेज एवं रखरखाव व्यवस्था, कॉलेज परिसर में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, 24 घंटे रीडिंग रूम, लाइब्रेरी एवं लेक्चर थिएटर के खराब एयर कंडीशनर सहित कई मूलभूत सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

कॉलेज में खेल एवं जिम जैसी सुविधाओं के अभाव को भी प्रमुख मुद्दे के रूप में उठाया गया। इस पर प्राचार्या ने बताया कि विधायक कोष एवं डीएमएफटी फंड से घोषित राशि का समुचित उपयोग करते हुए तथा कॉलेज स्पोर्ट्स फंड को शामिल कर मेडिकल कॉलेज में आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

इसके अलावा एमजी हॉस्पिटल में रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए ड्यूटी रूम, एमजी हॉस्टल में सीवरेज एवं रखरखाव संबंधी समस्याओं के समाधान तथा मेस संचालन शुरू कराने का भी आश्वासन दिया गया।

रेजिडेंट डॉक्टरों ने बैठक को सकारात्मक बताते हुए विश्वास जताया कि नई प्राचार्या के नेतृत्व में कॉलेज की वर्षों से लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा। बैठक का सबसे महत्वपूर्ण संदेश छात्र और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय एवं संस्थान के समग्र विकास के लिए मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता रहा।

बैठक में रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. श्याम मीना, वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ. भावराम यादव, डॉ. सबा खान, डॉ. प्रद्युम्न सिंह, डॉ. हार्दिक सोलंकी, डॉ. रजनी डेंडोर तथा जूनियर रेजिडेंट डॉ. ओमप्रकाश यादव, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. कृष्ण कुमार सुरेला, डॉ. प्रीति यादव, डॉ. सना मंसूरी, डॉ. कोमल राठौड़, डॉ. सुषमा सुवालका, डॉ. प्रियंका शर्मा, डॉ. लक्ष्मण भारद्वाज, डॉ. नरेश यादव, डॉ. साकेत भावसर, डॉ. साहिल जेफ, डॉ. जयदीप चौहान, डॉ. मौली सिंघल, डॉ. अभिषेक राज द्विवेदी, डॉ. अमित शर्मा, डॉ. धीरज कुमावत, डॉ. कुश स्वर्णकार, डॉ. रजत सिंघाटिया, डॉ. मेघा डेंडोर एवं डॉ. अवंतिका शर्मा सहित बड़ी संख्या में रेजिडेंट डॉक्टर उपस्थित रहे।

मोहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में निकला

ताज़ियों के साथ अकीदतमंदों ने किए पारंपरिक करतब, बनास नदी पर अदा की गई 'ठंडा' करने की रस्म

भीलवाड़ा फोकस @ बीगोद।

कस्बे में मोहर्रम के अवसर पर शुक्रवार को पारंपरिक आस्था और अनुशासन के साथ ताज़ियों का जुलूस निकाला गया। सुबह हुसैन चौक से शुरू हुआ जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए निर्धारित स्थान तक पहुंचा, जहां शाम को बनास नदी पर ताज़ियों को 'ठंडा' करने की रस्म अदा की गई।

जुलूस हुसैन चौक से प्रारंभ होकर मुल्तानी मस्जिद, रामा का खूंट, पुराना बाजार, बालाजी चौक और पुलिस चौकी रोड से होकर गुजरा। इस दौरान तासे, ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच युवाओं ने लकड़ी, तलवार सहित विभिन्न पारंपरिक युद्धक कलाओं का प्रदर्शन कर आकर्षण का केंद्र बने। श्रद्धालु धर्म के प्रतीक झंडे लेकर जुलूस में शामिल हुए।

जुलूस के मार्ग पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी और पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा एवं सौहार्द का वातावरण बना रहा। सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी पूरे समय मुस्तैद रहे तथा जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

शाम को ताज़ियों को बनास नदी ले जाकर परंपरा के अनुसार 'ठंडा' करने की रस्म अदा की गई, जिसके साथ मोहर्रम के धार्मिक आयोजन का समापन हुआ।

लोकतंत्र सेनानी दयाराम मेठानी से मिले सांसद दामोदर अग्रवाल

संगठन, लोकतंत्र और आपातकाल की स्मृतियों पर हुई चर्चा, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अनुभवों को बताया संगठन की धरोहर

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

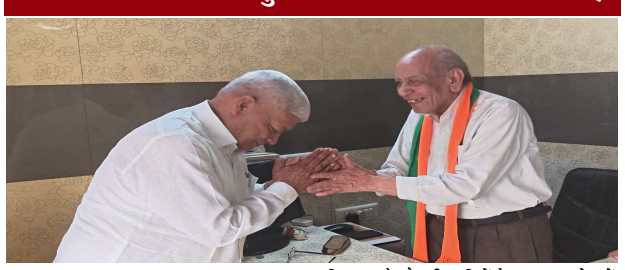

मूलचंद पेसवानी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं लोकतंत्र सेनानी दयाराम मेठानी से शुक्रवार को सांसद दामोदर अग्रवाल ने उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठनात्मक गतिविधियों, समसामयिक राजनीतिक विषयों और लोकतांत्रिक मूल्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि सांसद अग्रवाल ने मेठानी के लंबे राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन के अनुभवों को जाना और संगठन के प्रति उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और लोकतंत्र सेनानियों का अनुभव संगठन की अमूल्य पूंजी है, जिससे नई पीढ़ी के कार्यकर्ताओं को प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलता है।

मुलाकात के दौरान दयाराम मेठानी ने भारत-पाक विभाजन के दौर की स्मृतियों के साथ-साथ देश में लगाए गए आपातकाल के दौरान के अपने संघर्षों को साझा किया। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए हुए आंदोलन में उन्हें करीब 19 माह तक जेल में रहना पड़ा, लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित के प्रति उनका संकल्प कभी कमजोर नहीं पड़ा। सांसद दामोदर अग्रवाल ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय बताते हुए कहा कि लोकतंत्र सेनानियों के त्याग, संघर्ष और समर्पण की बदौलत ही देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक सशक्त हुई है। उन्होंने दयाराम मेठानी के सामाजिक एवं संगठनात्मक योगदान को अनुकरणीय बताते हुए उनका सम्मान किया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर मेठानी, सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी, कल्पेश चौधरी सहित भाजपा के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा पहुंचे अग्निवीरों का हुआ भव्य स्वागत

बालाजी मंदिर में संतों के सान्निध्य में हुआ सम्मान, विधायक अशोक कोठारी ने देशसेवा के लिए किया प्रेरित

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

भारतीय सेना की अग्निवीर योजना में चयनित होने के बाद पहली बार भीलवाड़ा पहुंचे लोकेंद्र सिंह एवं जोगेंद्र सिंह, पुत्र भगवान सिंह, का पांसल रोड स्थित बालाजी मंदिर परिसर में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समारोह में संत-महात्माओं के सान्निध्य में दोनों अग्निवीरों का सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम में महामंडलेश्वर बाबू गिरी जी महाराज, हाथी भाटा आश्रम के महंत संत दास जी महाराज, पंचमुखी दरबार रीको के पुजारी मुरारी पांडे तथा गोवत्स लाल जी महाराज की उपस्थिति में अग्निवीरों का माल्यार्पण एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी ने दोनों अग्निवीरों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की रक्षा का अवसर प्रत्येक युवा के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना में सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने दोनों युवाओं से अनुशासन, निष्ठा और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए देश का गौरव बढ़ाने का आह्वान किया।

समारोह में उपस्थित संतों एवं गणमान्य नागरिकों ने दोनों अग्निवीरों को आशीर्वाद देते हुए उनके सफल, सुरक्षित एवं गौरवपूर्ण सैन्य जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त सेना अधिकारी विश्वनाथ प्रताप सिंह, बाबूलाल टाक, पृथ्वीराज सिंह, महेंद्र प्रजापत, राजेंद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

QUICK BITES

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ड्रग्स के दुष्प्रभाव और अवैध तस्करी के खिलाफ महिलाओं को किया जागरूक

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, के निर्देशानुसार तथा तालुका विधिक सेवा समिति, की अध्यक्ष एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट रूपल अग्रवाल के निर्देशन में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर ग्राम आरोली एवं रसदपुरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों एवं महिलाओं को नशे के दुष्परिणाम, मादक पदार्थों के दुरुपयोग से होने वाले सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी नुकसान तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध जागरूक किया गया। साथ ही नशा मुक्त समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी गई।

इस दौरान पीएलवी सुनीता नायक एवं पीएलवी गोपाल पाराशर ने विधिक जागरूकता के साथ नशा मुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में कनिष्ठ अभियंता राजकुमार बंसीवाल सहित अन्य उपस्थितजनों ने भी नशे के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मीना जैन, सुनीता भील, राम कन्या गुर्जर, सोहनी भील, मनभर कंडारा, संपति भील, सरोज भील, संतोष, कमल शर्मा, जीतू गुर्जर, सुगना राजपूत, कांता धाकड़, ममता गुर्जर, सहित कई महिलाएं उपस्थित रही ।

मोहर्रम पर बिजोलिया में गूंजा या हुसैन का पैगाम, ताजिया जुलूस में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

मानव तिवारी । माहे मोहर्रम के अवसर पर शुक्रवार को कस्बे में हजरत इमाम हुसैन की याद में मुस्लिम समाज द्वारा पारंपरिक ताजिया जुलूस श्रद्धा और अकीदत के साथ निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में समाजजन, युवा और बच्चों ने भाग लेकर इमाम हुसैन को खिराज-ए-अकीदत पेश की।

मुस्लिम यूथ की ओर से जगह-जगह छबील लगाकर राहगीरों और श्रद्धालुओं को शरबत वितरित किया गया। वहीं युवाओं ने पारंपरिक अखाड़ा प्रदर्शन कर हैरतअंगेज करतब दिखाए, जिन्हें देखने के लिए मार्ग पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

ताजिया जुलूस सदर बाजार सहित प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए कर्बला पहुंचा, जहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार रस्में अदा की गईं। इस दौरान उलेमाओं ने कर्बला की घटना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हजरत इमाम हुसैन की शहादत सत्य, इंसाफ, सब्र, अमन और भाईचारे की राह पर अडिग रहने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि कर्बला का संदेश पूरी इंसानियत के लिए प्रेम, त्याग और मानवता का प्रतीक है।

नीट पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस का केंद्र सरकार पर हमला, युवाओं के समर्थन में आज होगा 'एक शाम छात्रों की गूंज' संवाद कार्यक्रम

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

नीट (NEET) परीक्षा में कथित धांधली और पेपर लीक के मुद्दे को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी भीलवाड़ा (देहात) ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में हुई अनियमितताओं ने लाखों मेहनती विद्यार्थियों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। इसी मुद्दे को लेकर शुक्रवार को चित्तौड़गढ़ रोड स्थित होटल रेडियंस में आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस ने छात्रों के समर्थन में आंदोलन तेज करने की घोषणा करते हुए शनिवार को अंबेडकर सर्कल पर संवाद कार्यक्रम आयोजित करने का ऐलान किया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी भीलवाड़ा (देहात) के अध्यक्ष रामलाल जाट ने कहा कि नीट परीक्षा में सामने आई धांधली और पेपर लीक की घटनाओं ने देश की परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र वर्षों की मेहनत और तैयारी के बाद परीक्षा देते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के कारण उनके सपनों के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कांग्रेस पार्टी ऐसे छात्रों और उनके अभिभावकों के साथ मजबूती से खड़ी है तथा इस मुद्दे पर सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

रामलाल जाट ने बताया कि युवाओं की आवाज को मजबूती देने और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी भीलवाड़ा (देहात) के नेतृत्व में शनिवार को शाम 6 बजे भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन के सामने स्थित अंबेडकर सर्कल पर 'एक शाम छात्रों की गूंज' नाम से खुला संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में छात्र, युवा और अभिभावक अपने विचार रखेंगे तथा नीट परीक्षा में हुई कथित धांधली, भ्रष्टाचार और पेपर लीक के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद करेंगे। प्रेस वार्ता में पूर्व नगर परिषद चेयरमैन एवं भीलवाड़ा विधानसभा प्रत्याशी ओमप्रकाश नरानीवाल, पूर्व जिला परिषद सदस्य प्रद्युम्न सिंह, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव शंकरलाल गाडरी, महेश सोनी सहित कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंत में जिला कांग्रेस कमेटी भीलवाड़ा (देहात) ने जिले के विद्यार्थियों, युवाओं, अभिभावकों और आम नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में संवाद कार्यक्रम में शामिल होकर युवाओं के भविष्य और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की मांग को मजबूत करें।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।